

फर्द अहकाम

कारका ईश्वरी बनाम अरवला देवी वगैरे

तथा अन्य

उपरोक्त कारिकादि पत्रवापरमादि, पत्र

क्रमा २७/२०२५

दिनांक आदि या कारिकादि	आदि विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
२७/१/२०२५	<p>कारिकादि पत्रा इदि, अधिवक्ता सचिवालय कारिकादि / कारिकादि का कठिनाकार करने का कारिकादि पत्रापुराण दिनांक १७/१/२५</p>	
१७/१/२५	<p>कारिकादि पत्रा इदि। कारिकादि वाकी उपर कारिकादि के शेष कारिकादिगण कारिकादि शक्ति १००० से कारिकादि शक्ति कारिकादि २००० से पत्रा करते। कारिकादि दिनांक १८/२/२५ को पत्रा के</p>	
१८/२/२५	<p>कारिकादि पत्रा इदि। कारिकादि वाकी उपर कारिकादि के शेष कारिकादिगण की कारिकादि हेतु कारिकादि मास दिनांक कारिकादि कारिकादि दिनांक २५/३/२५ को पत्रा के</p>	
२५/३/२५	<p>कारिकादि पत्रा इदि, अधिवक्ता सचिवालय कारिकादि / कारिकादि का कठिनाकार करने का कारिकादि पत्रापुराण दिनांक २७/३/२५</p>	
२७/३/२५	<p>कारिकादि पत्रा इदि। कारिकादि वाकी उपर कारिकादि वाकी व वाकी के वाकि-वाकि कारिकादि</p>	

फर्द अहकाम

नाम न्यायालय दादर दली बनाम भारतगण दली
उपानयन अधिकारी जमनालाल गण्ड
 केस संख्या 371/2024

क्रम संख्या आज्ञा विस्तृत रूप से
 दिनांक आज्ञा या कार्यवाही विशेष विवरण

लगवाई गई नया इतपाल किच
 गलत । लेकिन उपा नही । जमानली
 को आवलोकित किच गलत
 जमानली को गलत हाजरी उ
 गलत पैरवी में वादित की
 जाती है । निष्पक्ष भाव में
 इतपाल इतपाल गलत जमानली
 को गलत उपात होकर गलत में
 कल है नया वाद प्रति साहित्य
 कर है


